मासिक ई-समाचार पत्रिका

दीक्षारंभ विशेष

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

खंड–4, अंक–4 अप्रैल-2023

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संपादकीय

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. पी. कु. प्रणव
डॉ. एम.एल. मीणा
डॉ. कुमारी सपना
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी
डॉ. कुमार राज्यवर्धन

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय का सन्देश

विगत माह में नए छात्रों के प्रवेश के साथ विश्वविद्यालय के वातावरण में एक नई जीवंतता आ गयी है। छात्र-छात्राएं अपने उत्कृष्टता के हर क्षेत्र यथा अकादमिक पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने के सपने लेकर आए होंगे, जो न केवल ऊंचे सपने देखते हैं बल्कि उच्च ऊर्जा शक्ति से इन स्वप्नों को साकार करने की इच्छाशक्ति भी रखते हैं। यहाँ उन्हें उचित मार्गदर्शन और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यही भाव रखते हुए नव प्रवेशित स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए **"फाउंडेशन कोर्स"** के रूप में अनूठा पाठ्यक्रम **"दीक्षारंभ"** की परिकल्पना की गयी और उसे सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रत्येक छात्र के अंदर छुपे उनके सर्वश्रेष्ठ गुणों को पहचानना तथा उन्हें उस दिशा में बेहतर प्रदर्शन हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान करना था।

नयी शिक्षा नीति -2020 के आलोक में देश के कृषि विश्वविद्यालयों में इस अवधारणा की परिकल्पना करने और लागू करने वाले हम अग्रणी विश्वविद्यालय हैं। यह पाठ्यक्रम इस मायने में बहुत खास रहा कि यह न केवल विद्यार्थियों को विद्यालय से विश्वविद्यालय तक की यात्रा में एक सेतु का कार्य किया, अपितु जीवन के अनेकों क्षेत्रों में छात्रों की छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालने के लिए एक साझा मंच भी प्रदान किया। हमने विश्वविद्यालय के अनुभवी शिक्षकों/वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गहन विचार और विस्तृत चर्चा के उपरांत एक महीने की अवधि का **"दीक्षारंभ"** पाठ्यक्रम एवं उसके प्रत्येक मॉड्यूल का चयन किया। हमने **"दीक्षारंभ"** कार्यक्रम के अंतर्गत योग, संगीत, पेंटिंग, कविता लेखन, संचार कौशल, खेल-कूद, स्वास्थ्य और स्वच्छता सहित रंगमंच एवं नाटक पर विभिन्न मोड्यूल की शुरूआत की। इस पाठ्यक्रम को संपूर्ण रूप से 7 मार्च 2023 से 3 अप्रैल 2023 तक लगभग एक माह तक सावधानीपूर्वक निष्पादित किया गया। सफल कार्यान्वयन हेतु इस अवधि के दौरान पूरा कार्यक्रम संबंधित समिति के सदस्यों और उनके अध्यक्षों के निगरानी में सम्पन्न किया गया। मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक दिन संकाय सदस्यों और छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में प्रतिक्रिया मिलती रही और मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि सभी पाठ्यक्रमों के सभी मॉड्यूल बहुत उपयोगी रहे जो इस पाठ्यक्रम के बुनियादी उद्देश्य के सफलता को दर्शाता है।

मेरे विचार में शिक्षा न केवल छात्रों को शास्त्रीय तथ्य से अवगत करना और प्रश्न पूछना हैं कि वे कितनी जानकारी संग्रहीत करने में सक्षम रहे बल्कि, शिक्षा, सकारात्मक सोंच का विकास और समाज के उत्थान हेतु उचित रास्ता विकसित करने की एक सतत प्रक्रिया है। दीक्षारंभ के एक महीने के बाद दीक्षारंभ का समापन हमने **"प्रदक्षिणा"** कार्यक्रम से किया जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी विभिन्न प्रतिभाओं को प्रस्तुत किया। **"प्रदक्षिणा"** कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य लोगों के साथ समाज का एक अच्छा नागरिक बनने और वर्ष 2047 के अंत तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए अपनी सार्थक प्रयास करने की शपथ भी ली।

मुझे पूरा विश्वास है कि ये ऊर्जावान युवा भविष्य में देश में नई सफलता लेकर आएंगे एवं कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय एवं देश को महान बनाने में अपना योगदान देंगे।

जय हिन्द!

डॉ. पी. एस. पाण्डेय

दीक्षारंभ-2023 : संक्षिप्त अवलोकन

➢ **हाल ही में संचालित विश्वविद्यालय फाउंडेशन कोर्स (दीक्षारंभ-2023)** माननीय कुलपति, डॉ. पी. एस. पाण्डेय जी की एक अनूठी अवधारणा है जिसका लोकार्पण 7 मार्च, 2023 को श्री स्वामी शिवध्यानम सरस्वती जी (बिहार स्कूल ऑफ योगा, मुंगेर) एवं सभी अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों के गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्नातक डिग्री कार्यक्रम में सभी नए प्रवेशित छात्रों के लिए इस पाठ्यक्रम को तैयार किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य इन छात्रों को विद्यालय से विश्वविद्यालय की बदली हुई शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत नए वातावरण में सुचारु रूप से ढालने के साथ-साथ आपस में घुलने मिलने के अवसर की सुविधा प्रदान करना है ताकि वे सभी स्तरों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकें और अकादमिक -पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों की एक स्वस्थ दिनचर्या भी निर्धारित कर सकें। शिक्षा अर्जन हेतु एक स्वस्थ मन और शरीर का होना महत्वपूर्ण हैं, इसलिए यह कार्यक्रम योग, खेल-कूद, कला और शिल्प, साहित्य, नृत्य और संगीत, नाटक और रंगमंच सॉफ्ट स्किल्स जैसी गतिविधियों के साथ शुरू किया गया। विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ हीं एक सप्ताह का प्रेरण सत्र (इंडक्शन) प्रारम्भ किया गया। तत्पश्चात नियमित रूप से अकादमिक विषयों की कक्षाएं एवं दीक्षारम्भ के अंतर्गत विभिन्न विधाओं की कक्षाएं आयोजित की गयीं। कार्यक्रम का अपेक्षित परिणाम शारीरिक और भावनात्मक रूप से समृद्ध ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना था, जिनमें स्वयं, समाज और प्रकृति की बेहतर समझ विकसित हो सके। साथ हीं उनमे जीवन में समय-समय पर आने वाली चुनौतियों का सामना अत्यंत अनुग्रह और दृढ़ता के साथ करने और उनका समाधान करने में सामर्थ्यवान बनाना था।

Monthly e-Newsletter
Deeksharambh Special
Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University
Pusa, Samastipur-848 125, Bihar, India
Volume-4, Issue-4 April-2023

Dr. P. S. Pandey
Hon'ble Vice-Chancellor

EDITORIAL BOARD

Chief Patron:
Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & Edited by:
Dr. R.M. Sharma
Dr. P. K. Pranav
Dr. M.L. Meena
Dr. K. Sapna
Dr. A.K. Panda
Dr. S. Nandni
G. Trivedi
Dr. K. Rajyavardhan

Tech. Assistance :
Manish Kumar

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.

Contact:
www.rpcau.ac.in

Vice-Chancellor's Message

The newly admitted students have brought a sprightly ambiance and a fresh vibrancy to the university. The students must have come with dreams of being excellent in every sphere of their activities be it curriculum or co-curriculum. What I understand they not only have the high dream but also the high energy level and willpower to convert these dreams into reality. Here comes our role to mentor them and channelize their energy in right direction. Keeping this sense of responsibility, we have designed and implemented an unique program of **"Deeksharambh"** under the aegis of **"Foundation Course"** for newly admitted undergraduate students. This program consists of a series of curriculum and co-curriculum activities to bring out the best of every student.

We are the first in the country among agricultural universities to design and implement this concept in line with NEP-2020 vision documents. It is very special in the sense that it not only prepares students to bridge the gap from school to university but also provides a platform to find out the hidden talents of the students in the **"Deeksharambh"**. After careful consideration and detailed discussion with faculty members, we have designed and started different modules of **"Deeksharambh"** like Yoga, Music, Painting, Poetry Writing, Communication Skills, Sports, Health and Hygiene, Drama & Theatre, etc. These modules were executed meticulously for almost entire month starting from 7th March 2023 to 3rd April 2023. During this period the entire program was organized and monitored by the concerned committee members and their chairmen leading to successful implementation and satisfaction. I personally received feedback from faculty members and students on each day during the course and happy to share that these modules were very fruitful and fulfilling the basic aims of this course.

To me, education is not bombarding the students with academic facts and information and asking questions to examine how much information have been transferred and assimilated by them, rather it is a continuous process of inculcating a proper way to think positively and do good for society. Having this thought in mind. **"Deeksharambh"** program was conducted and completed after a month in the form of the **"Pradakshina"** the valedictory function of **"Deeksharambh"** wherein students took oath along with teachers to become a good citizen of the country and do their best to make India developed by the end of 2047. I am pretty sure that these energetic young minds in the future will bring new success in the field of agriculture.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)

Deeksharambh-2023 : An Overview

➢ **The newly introduced University Foundation Course (Deekshaarambh-2023)**, a unique concept conceived by the Hon'ble Vice Chancellor, Dr. P. S. Pandey, was launched on 7th March, 2023 under the gracious presence of Deans/ Directors and Shri Swami Shivadhyanam Saraswati Ji (Bihar School of Yoga, Munger). This course is designed for all the newly admitted students of Bachelor's Degree program of various colleges of RPCAU, Pusa. The program aims at facilitating a smooth transition and blending of these students with the new environment from school to college and the University education system enabling them to gel at all levels and set a healthy routine with a mix of curricular, co-curricular, and extracurricular activities. A healthy mind and body are important for bright future hence this program was structured with activities like Yoga, Games and Sports, Art and Craft, Literary activities, Dance and Music, Drama and Theatre, Soft Skills, Art of Living, etc. Just after admissions, students were admitted into a week-long induction session. After a week of induction, the routine classes were introduced. Once the classes were over for the day, the day follows with the activities as designed under the course, for almost a month. The expected outcome of the program was producing a physically and emotionally sound individuals, who have a better understanding of self, society, and nature at large, and have the ability and potential to face and resolve the challenges of life time to time with utmost grace and perseverance.

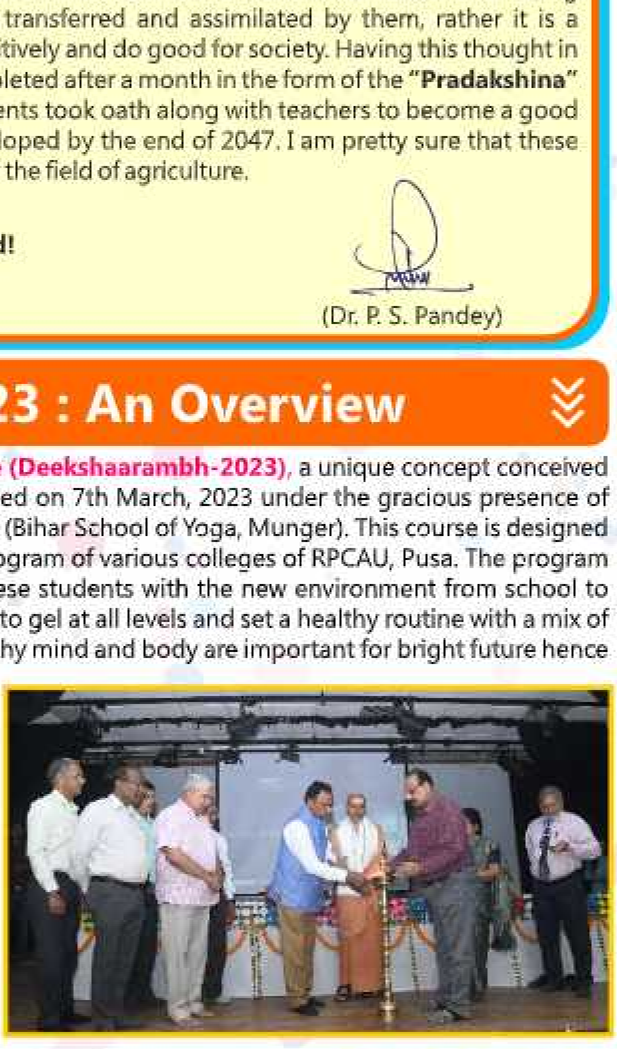

इस कार्यक्रम को इस तरह से संचालित किया गया था कि इससे छात्रों के मध्य पारस्परिक संबंध, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना जैसे नैतिक गुणों का विकास हो सके तथा साथ हीं, शिक्षकों के साथ गुरु-शिष्य संबंध विकसित करने में भी सहायक सिद्ध हो सके। पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं प्राचीन भारतीय शिक्षण प्रणाली यथा 'वाद-विवाद' और 'तर्कशास्त्र' के अनुकूल भी बनाया गया था जिससे आजादी के अमृतकल पर्व में विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को पूर्ण किया जा सके।

(1) योग गतिविधियाँ

स्नातक (प्रथम सेमेस्टर) छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स (दीक्षारंभ)के तहत योग गतिविधियाँ की शुरुआत दिनांक 07.03.2023 को विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार, पूसा में स्वामी श्री शिवध्यानम सरस्वती जी (बिहार स्कूल ऑफ योगा, मुंगेर) जी के योग संवाद "योग के विचार" से हुई। इस क्रम में गठित योग समिति ने सुचारू रूप से योग कक्षाओं का आयोजन किया। योग के परिचय और बुनियादी सिद्धांतों पर सैद्धांतिक और व्यवहारिक/प्रायोगिक (practical) व्याख्यान विभिन्न विषयों जैसे छात्र-छात्राओं के लिए योग की प्रासंगिकता, रोग/शारीरिक विकार प्रबंधन में योग, ,शरीर शुद्धि (सत्कर्म क्रिया) हेतु योगिक तकनीक इत्यादि पर पूसा कैंपस व ढोली के छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण दिया गया। पंडित दीन दयाल वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी के विद्यार्थीयों ने भी ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं योग प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय में संबंधित समितियों एवं बाह्य प्रशिक्षुओं द्वारा व्यावहारिक योग के सत्र पूसा, ढोली और पिपराकोठी कैम्पस में प्रतिदिन सुबह 6:30 से 7:30 बजे के बीच आयोजित किये गये।

(2) कला और शिल्प गतिविधियाँ

दीक्षारंभ-2023 के तत्वावधान में मधुबनी पेंटिंग, पुष्प प्रबंधन, पोस्टर कला एवं शिल्प समिति द्वारा सृजन गतिविधियों का संचालन किया गया, जिसमें पूसा, ढोली और पिपराकोठी परिसर के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दिनांक 13 और 14 मार्च, 2023 को क्रमश: पूसा एवं ढोली परिसर में विशेषज्ञ, युवा प्रेरक और कलाकार एवं बिहार के गौरव पुरस्कार से पुरस्कृत श्री. कुंदन कुमार रॉय के दिशा-निर्देश में मधुबनी पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री कुमार ने विस्तृत रूप से फ्रेशर्स को विभिन्न भारतीय पेंटिंग्स से परिचित कराया तथा मधुबनी पेंटिंग का लाइव प्रदर्शन भी दिया। रचनात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुष्प प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्रों ने ताजे फूलों से निर्मित विभिन्न शैलियों यथा वेस्टर्न मास अरेंजमेंट, इकेबाना और ऐबस्ट्रेक्ट अरेंजमेंट का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पोस्टर-निर्माण सत्र का आयोजन पोस्टर निर्माण की अलग-अलग थीम के जरिए छात्रों की कल्पना को चित्रित करने के लिए किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने अपने नवाचार और कल्पना को प्रदर्शित किया।

This program was structured in such a way that creates and facilitates warm bonding among students, healthy peer competition, and team spirit among the freshly admitted students and also aid in developing bonds with their teachers. The course was designed in tune with the National Education Policy 2020 as well as the ancient text of India, which stresses 'Vaad-Vivaad' (debate) and 'Tarqshastra' (the philosophy of dialectics, logic, and reasoning) for churning and evolution of knowledge leading to fulfilling the concept of developed India visualized at the Amritkal Festival of Independence.

(1) Yoga Activities

Yoga Committee organized smooth Yoga classes during the Foundation course (Diksharambh) for 1st semester undergraduate students of batch 2022-23. It started with Yog Samvad by Shri Swami Shivadhyanam Saraswati Ji (Bihar School of Yoga, Munger) on "Thought of Yoga", on 07.03.2023 in Vidyapati Sabhagar, RPCAU, Pusa. Theoretical and demo lectures on Introduction and basic principles of Yoga, Relevance of Yoga for student, Yoga in disease/physiological disorder management, Yogic techniques for cleansing the body (Satkarm Kriya) were delivered to student of Pusa Campus and Dholi Campus in person and to the Students of PDUCHF through online mode. Practical Yoga Sessions were held between 6:30 am to 7:30 am every morning at Pusa, Dholi and Pipara Kothi campuses by the respective committees through the internal and external resource persons.

(2) Art & Craft Activities

Under the aegis of Diksharambh-2023, Madhubani painting, flower presentation and poster making activities were conducted by the arts and crafts committee. Students from Pusa , Dholi and Piprakothi campuses actively participated with rejuvenated enthusiasm in all the activities organized by the committee. The Madhubani painting workshop was conducted on 13th and 14th march, 2023 at Pusa and Dholi campus respectively by learnt expert Mr. Kundan Kumar Roy, Doctorate, Arts &crafts, Youth motivator and artist, Pride of Bihar awardee. Mr. Kumar elaboratively introduced freshers to different Indian paintings and gave a live demonstration of Mahbubani painting. Students from all campuses enjoyed and showed their creativity through Mahbubani painting. The flower arrangement activity was also conducted wherein students learned and prepared different styles of flower arrangement such as western mass arrangement, Ikebana and abstract arrangements from fresh flowers. The poster-making session was organized with an open theme to unbox the imagination of participating students. Student showcases their innovation and imagination through the different theme of poster making.

(3) खेल कुद गतिविधियाँ

खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचान और विभिन्न खेलों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से खेल समिति ने तीनों परिसरों, पूसा, ढोली और पिपराकोठी परिसर में विभिन्न खेलों का आयोजन किया। पहले दिन श्री रोशन सिंह, एथलेटिक कोच ने विभिन्न खेलकूद के नियम, विनियम पर ओरिएंटेशन व्याख्यान दिया। तत्पश्चात विभिन्न खेलों के लिए छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन किया गया। पूसा व ढोली परिसर के 166 छात्रों में से 203 छात्रों ने खेलों में अपनी रुचि दिखाई और सभी गतिविधियों में पहली पसंद का उल्लेख किया। खेल-कूद कार्यक्रम के तहत विभिन्न ट्रैक और फील्ड इवेंट जैसे 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी जंप, शॉट पुट, डिस्कस और जेवलिन थ्रो का आयोजन किया गया एवं खिलाड़ियों की उनके प्रदर्शन और तकनीकी दक्षता के आधार पर पहचान की गई। इन के अलावा, तकनीकी कौशल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस जैसे अन्य इनडोर खेलों से संबंधित नियमों की जानकारी भी सभी परिसरों के छात्रों को दी गयी। इन कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों को उनके आत्म-सम्मान, आत्म-जागरूकता और आत्मविश्वास को विकसित करने तथा आपस में एक स्वस्थ खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। छात्रों ने खेल-कूद में पूरी रुचि दिखाई।

स्पोर्ट्स ड्यू, प्रा. लिमिटेड, समस्तीपुर द्वारा पूरे ट्रैक और फील्ड कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षक प्रदान किये गये।

(4) गीत और संगीत गतिविधियाँ

संगीत कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ माननीय कुलपति, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा ने कुलसचिव, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं नोडल अधिकारी, NAHEP तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में की। गणमान्य अतिथि के रूप में प्रो. लावण्या कीर्ति सिंह 'काब्या' (अधिष्ठाता, ललित कला संकाय, एल.एन.एम.यू, दरभंगा), डॉ. अभय नाथ झा, संगीत शिक्षक (तबला) एवं श्री नितेश कुमार, गायक एवं हारमोनियम वादक को आमंत्रित किया। प्रो. लावण्या ने संगीत के प्राकृतिक तत्वों जैसे, स्वर्गम, ताल, राग और टेम्पो के प्रकार (विलम्बीत, मध्य और द्रुत) पर ध्यान केंद्रित कराया। उन्होंने संगीत के अभिन्न अंग के रूप में ताल के महत्व पर जोर दिया। उनकी विशेषज्ञता और संगीत पर जानकारीपूर्ण भाषण ने छात्रों को प्रभावित किया तथा उन्हें सकारात्मक गाने के लिए प्रेरित किया। उनकी इच्छा और प्रारंभिक प्रदर्शन के आधार पर 32 छात्रों को संगीत क्लब के लिए चुना गया और अंतिम प्रदर्शन के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से अलग-अलग समूह बनाए गए। आमंत्रित विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छात्रों को हारमोनियम, गायन एवं वादन का प्रशिक्षण दिया गया। परिणामस्वरूप, स्थानीय विद्वानों सहित संगीत समिति के सदस्यों द्वारा संगीत की कक्षाएं दिनांक 23 से 25 मार्च, 2023 तक आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को एकल और युगल गीत, देशभक्ति गीत, भक्ति गीत, लोक गीत जैसे विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित किया गया।

(3) Games and Sports Activities

The sports committee organized different sports events at all the three campuses namely RPCAU, Pusa, Dholi and Piprakothi with the aim to Identify, nurture and promote players using the best possible resources and platform and also exploring the talent of the newly admitted students. On the very first day, an orientation lecture by Mr. Roshan Singh, Athletic coach was delivered on rule, regulations of different sports and sports activities of our university. Thereafter, student's interests were assessed for different co-curriculum activities. Out of 277 students of Pusa and Dholi campus, 203 students have shown their interest in sports and mentioned first choices among all activities. Under the sports programme, different track and field events like 100m, 200m races, High jump, long jump, shot put, Discus and Javelin throw were conducted for both boys and girls and players were identified on the basis of their performance and technicality. Apart from these events, technical skills and rules related to Volleyball and other indoor sports like badminton and Table Tennis were also imparted to the students of all campuses. These programmes empower the students to develop their self-esteem, self-awareness and self-confidence and develop a good sportsman spirit among themselves. Overall, the students showed their full interest in games and sports and students identified in these events will be further trained in their respective games. The Sports Due Pvt. Ltd., Samastipur has provided the resource person for the entire track and field events.

(4) Music and Songs Activities

The inaugural session of music event was graced by the Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa along with Registrar, DSW and Nodal officer NAHEP and other dignitaries. Prof. Lawanya Kirti Singh 'Kabya' (Dean, Faculty of Fine Arts, LNMU, Darbhanga), Dr. Abhay Nath Jha, Music Teacher (Table) and Shree Nitesh Kumar, Vocalist and harmonium player were invited for the sensitization of music and songs. Prof. Lawanya focused on natural elements of music viz, Swargam, Rhythm, Raaga and types of Tempos (Vilambeet, Madhya and Drut). and also emphasized on the importance of Taals as integral part of the music. Her expertise and informative speech on music, influenced the students and motivated them to sing positively. Based on their willingness and initial performance, 32 students were selected for music club and different group were formed through screening process for final performance. The students were trained for singing and playing harmonium under the guidance of resource persons. The music classes were consequently held on 23rd to 25th March, 2023 under the supervision of committee members of music including local resource persons. The students were trained and motivated to participate in different music events viz. Solo and Duet song, Patriotic song, Devotional songs, Folk.

(5) रंगमंच नाटक गतिविधियाँ

दीक्षारंभ-2023 का प्रमुख आकर्षण नाटक और रंगमंच कार्यक्रम रहा, जिसका उद्देश्य छात्रों में कलात्मक कौशल और सृजनशीलता का विकास करना रहा। इस कार्यक्रम की अवधि में नाट्य विधा के अलग-अलग कुल आठ सत्र आयोजित किए गए, जिनमे (i) स्क्रिप्ट प्ले, (ii) नुक्कड़ नाटक, (iii) माइम और (iv) मोनोएक्ट प्रमुख रहे। तीन सम्मानित आमंत्रित विशेषज्ञ श्री विपुल शरण (अध्यक्ष, कौशल फाउंडेशन, पटना), श्री अक्षय कुमार (सहायक प्राध्यापक, मिलिया शिक्षक ट्रेनिंग कॉलेज, पूर्णिया) और श्री तरुण कुमार (वरिष्ठ प्रबंधक, पीएनबी, पूसा) को आमंत्रित किया गया तथा नाटक और रंगमंच के विभिन्न व्याख्यान आयोजित किये गए। प्रारंभिक सर्वेक्षण में नाटक और रंगमंच में छात्रों की रुचि के आधार पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में नामांकित विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों से संबंधित विद्यार्थियों का एक समूह बनाया गया। इन सत्रों में कई प्रकार के शारीरिक कौशल और तकनीकें जैसे गति, शरीर भाषा, मुद्रा, इशारा, चाल, समन्वय, स्थिरता, समय, नियंत्रण, चेहरे की अभिव्यक्ति, आँख से संपर्क, सुनना, मनोदशा की अभिव्यक्ति, स्थानिक जागरूकता, इत्यादि प्रशिक्षण दिए गए। अंतिम दिन दीक्षारम्भ कार्यक्रम के दिन "प्रदक्षिणा" कार्यक्रम में छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान यथा जैसे (i) वैदिक नाटक, (ii) युवा आजकल माइम, (iii) सड़क सुरक्षा नुक्कड़ नाटक और (iv) किसान की आत्महत्या मोनोएक्ट जैसे कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी, जिसमें नाट्य गतिविधियों के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अर्जित कौशल की दक्षता, सटीकता और अभिव्यक्ति "अष्टावक्र- वंदिन संवाद" नाटक में विशेष रूप से परिलक्षित हुई।

(6) नृत्य गतिविधियाँ

दिनांक 17, 26, 28 मार्च और 1 अप्रैल 2023 को फाउंडेशन कोर्स की नृत्य समिति ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मृत्युंजय कुमार, कुलसचिव, डॉ. एम. एन. झा, निदेशक शिक्षा और डॉ. रंजन लायक, निदेशक, छात्र कल्याण की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। विद्यार्थियों को विशेष रूप से शास्त्रीय (कत्थक) और लोक नृत्य के महत्व से परिचित कराने के लिए समस्तीपुर के नृत्य विशेषज्ञ श्री मुरारी जी अपने तीन साथियों के साथ तबला (श्री संगीत कुमार), हारमोनियम (श्री रोहित कुमार) और पखावज (श्री प्रीतम प्रभार) आमंत्रित किये गये। छात्रों को कत्थक नृत्य की उत्पत्ति, इतिहास तथा भारतीय समाज में इसकी समृद्ध संस्कृति और विरासत के सम्बन्ध में प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को कथक में विभिन्न प्रकार के फुटवर्क, ताल, तत्कार और थाह सिखाया गया। छात्र ने भी कत्थक नृत्य सीखने में अत्यधिक रुचि दिखाई तथा छात्राओं के साथ-साथ छात्रों ने भी कत्थक का अभ्यास किया। छात्रों ने विशेषज्ञों के साथ विभिन्न नृत्य रूपों का अभ्यास किया। उन्होंने कथक आधारित गुरु वंदना, मिथिला नृत्य (समा चकेवा), शिव तांडव, देवी नृत्य (अयी गिरि नंदिनी) एवं दो पंजाबी लोक नृत्य की तैयारी कर समापन सत्र में बेहतरीन प्रस्तुति दिया।

(5) Drama and Theater Activities

Drama and theatre were the cornerstone of Diksharambh-2023 in the course curriculum for new batch of under graduate students, which aims to develop students' artistic skills and creative dispositions. During one-month course eight sessions were conducted with different dramatic events like (i) script play, (ii) nukkad natak, (iii) mime and (iv) monoact and the last day was reserved for the competition. Three esteemed external experts Mr. Vipul Sharan (Chairman, Skills Foundation, Patna); Mr. Akshay Kumar (Assistant Professor, Millia Teachers Training College, Purnea) and Mr. Tarun Kumar (Senior Manager, PNB, Pusa) were invited to conduct different lecture of drama and theatre. On the basis of preliminary survey regarding students' interest in drama and theatre, a group was formed comprising students belonging to different states and cultures enrolled in different colleges of RPCAU, Pusa, All the session taught and developed a range of physical skills and techniques i.e. movement, body language, posture, gesture, gait, co-ordination, stillness, timing, control, facial expression, eye contact, listening, expression of mood, spatial awareness, interaction with other performers and choral movement. The outcome of different classes was expressed with different events as (i) vedic play, (ii) youth aajkal mime, (iii) road safety nukkad natak and (iv) farmer's suicide monoact. The efficiency, accuracy, and expression of drama skills learned during drama and theatre activities were amply reflected in "Astavakra-Vandim Samvad" performance organized on the concluding day of Deeksharambh "Pradakshina".

(6) Dance Activities

The Dance committee of the Foundation Course of Under Graduate students has arranged the programme on 17th, 27th, 28th March 2023 and 1st of April 2023. On 17.03.2023, inauguration of the programme was done in the gracious presence of Dr. Mrityunjay Kumar, Registrar; Dr. M. N. Jha, Director Education and Dr. Ranjan Layak, Director, Students Welfare at the common hall of SABR&M, RPCAU, Pusa. A dance expert from Samastipur, Sri Murari Ji, with his three associates on Tabla (Sri Sangeet Kumar), Harmonium (Sri Rohit Kumar) and Pakhawaj (Sri Pritam Prabhar) was invited to introduce the importance of dance forms, specially, classical (Kathak) and folk ones. The students were taught about the origin of Kathak and its history reflecting our rich culture and heritage in Indian society and how in used to express various emotions and story telling. The different footwork in Kathak, Teen taal, Tatkar and Thah, were taught to the students. The students were overwhelmed and showed a high degree of interest in learning kathak, even the boys were also practicing. The students practiced on different dance forms with the experts. They prepared Kathak based Guru Vandana, one Mithila dance (Sama Chakewa), one Shiv Tandav, one Devi dance (Ai Giri Nandini), two Punjabi folk dances for presentation on valedictory session.

(7) साहित्यिक गतिविधियाँ

संचार कौशल/साहित्य/कविता सृजन से जुड़े साहित्यिक कार्यक्रम दीक्षारंभ-2023 के प्रमुख आकर्षण रहे। इसमें प्रमुख साहित्यिक गतिविधियों जैसे समझ कौशल, कहानी सुनाने, अंग्रेजी संचार कौशल, द्विभाषी स्व-रचित कविता और इसके गायन, सचित्र निबंध/कहानी लेखन, वाक्पटुता, वाद-विवाद, आशु भाषण को महत्वपूर्ण रूप से शामिल किया गया। साहित्य गतिविधि ने छात्रों की सृजनशीलता का विकास किया । संचार कौशल तथा कविता कहानी लेखन आदि ने उन्हें बेहतर संचार और वाद-विवाद कौशल के साथ-साथ साहित्य में भी सुसज्जित किया । सात दिवसीय के साहित्यिक आयोजनों में 50% अतिथि और 50% स्थानीय विशेषज्ञों ने 3-3 दिनों तक कक्षाओं का संचालन किया। वाद-विवाद/कविता/सचित्र निबंध लेखन के लिए मानकीकृत मूल्यांकन परिपत्र तैयार किया गया। साहित्यिक परिचयात्मक कक्षाओं में साहित्य के सभी प्रमुख बारीकियों को शामिल किया गया, साथ हीं व्यक्तित्व विकास में उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में बहिर्मुखता, सहमतता, खुलापन, कर्तव्यनिष्ठा और तंत्रकीय पहलु जैसे पांच बड़े व्यक्तित्व लक्षणों, जो जीवन भर की सफलता के मानदंड सिद्ध होंगे, की विस्तार से चर्चा की गयी जिससे विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण सोच, लेखन और संचार कौशल तथा सृजनशीलता का उचित विकास हो सके।

(8) सॉफ्ट स्किल्स गतिविधियाँ

व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल्स गतिविधियों के अंतर्गत सॉफ्ट स्किल ट्रेनर, शिक्षाविद और डीडी न्यूज एंकर सुश्री मिनाती चकलानवीस को मुख्य व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने छात्रों के साथ सॉफ्ट स्किल के विभिन्न घटकों पर चर्चा की, जिसमें में सॉफ्ट स्किल्स के महत्व और ये दूसरे स्किल से कैसे अलग हैं, प्रमुख विषय रहें। अंत में, उन्होंने कुछ प्रमुख सॉफ्ट स्किल्स जैसे संचार कौशल, नेतृत्व कौशल, गंभीर चिंतन, शिष्टाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलन क्षमता और रचनात्मकता पर कैसे काम किया जाये, इस सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि तेजी से बदलती दुनिया में ये सभी कौशल छात्रों को चुनौतियों से उबरने और धैर्य एवं दृढ़ता पैदा करने में मदद करेंगे जो समग्र व्यक्तित्व विकास की कुंजी हैं। उन्होंने बुद्धिलब्धि (IQ) तथा भावनात्मक बुद्धिलब्धि (EQ) के महत्व पर भी चर्चा की । विद्यार्थियों को प्रेरक संचार, प्रभावी शारीरिक भाषा, और कैरियर के लिए व्यावसायिक शिष्टाचार, सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरी (प्लेसमेंट) के लिए व्यक्तित्व विकास आदि विषयों पर प्रशिक्षित किया गया, साथ हीं नौकरी तलाशने में सकारात्मक दृष्टिकोण, मानसिकता, व्यवहार और सकारात्मक लक्षणों के महत्व पर भी चर्चा हुई। साथ हीं भोजन शिष्टाचार पर एक उपयुक्त व्यावहारिक प्रस्तुति सत्र का भी आयोजन किया गया।

(7) Literary Activities

Literary events encompassing Communication skills/ literature/ poem writing were the cornerstone of Diksharambh-2023. It covered major literary events viz., comprehension skills, storytelling, English Communication Skills, bi-lingual Self-composed Poem and its recital, Pictorial based Essay/Story Writing, Elocution, Debate, Storytelling and most importantly impromptu/extempore speech. Capacity building of students in the literary event equipped them with better communication and debating skills as well as in literature, poem and story writing/telling etc. In 7 day's literary events, 50% of external and 50% of internal experts took the class for 3-3 days and last day was reserved for the competition. Evaluation Performa for Debate/Poem/Pictorial based Essay Writing was prepared and standardized. Literary introductory classes encompassed the nitty-gritty of all the major events & their importance in personality development. In this Big 5 Personality Traits viz., extraversion, agreeableness, openness, conscientiousness, and neuroticism; which all are the benchmark predictors of lifetime success, taught and discussed in detail, have sharpened the student's skills of critical thinking, writing and communication.

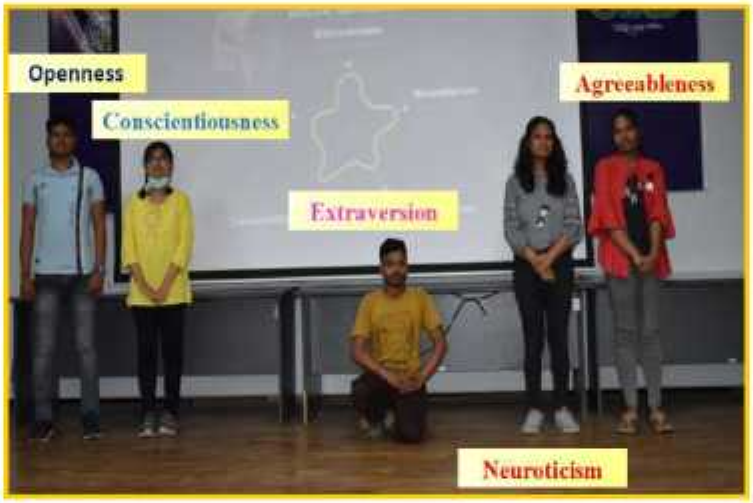

(8) Soft Skills Activities

The Committee invited Ms. Minati Chaklanavis who is a DD News anchor, personality development and soft skills trainer, academician and author based in Patna, for delivering key note sessions on soft skills. She interacted with students on various components of soft skills at greater length. Her talk covered the importance of soft skills and the way these are different from hard skills. At length, she delivered talk on major soft skills viz. communication skills, leadership skills, critical thinking, etiquette, emotional intelligence, adaptability and creativity. She emphasized that in the fast-changing World, these skills and command on them will help the students to overcome challenges and cultivate patience and perseverance which are the key to holistic personality development. She also discussed the importance of emotional quotient over intelligence quotient. The students were taught about Persuasive Communication, Effective Body Language, and Professional Etiquette for Career Growth and personality development for job placements in Government and Private sector. The importance of appearance, attitude, mindsets, behaviour and positive traits in job seeking were also discussed. A practical session on dining etiquette with appropriate presentation skills was also organized.

प्रदक्षिणा

दीक्षारंभ की सफल यात्रा "प्रदक्षिणा" कार्यक्रम के साथ संपन्न हुई। 3 अप्रैल, 2023 को समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. आर. सी. अग्रवाल, माननीय उप-महानिदेशक (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के अन्य वैज्ञानिकों, गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न की गयी। महीने भर चलने वाले दीक्षारंभ के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति विभिन्न समितियों के अध्यक्षों के द्वारा दी गयी। इसके बाद दीक्षारंभ के विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और सीखने के परिणामों पर छात्रों को अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित किया गया। छात्रों ने एक स्वर में कहा कि यह कार्यक्रम हमें विभिन्न आशंकाओं जैसे मंच का भय, असफलता का भय, साथी को कैसे तलाशें और सहायता प्रदान करें जैसी आशंका को दूर करने, वरिष्ठों और शिक्षकों आदि के साथ कैसे संवाद करें आदि में काफी मददगार रहा। छात्रों ने दीक्षारम्भ पर निम्नलिखित प्रतिक्रियाएं दीं:

- यह कार्यक्रम न केवल हमारे विषय बल्कि अन्य विषय के छात्रों के साथ जुड़ने और नेटवर्क बनाने में सहायक हुआ।
- अपने व्यक्तित्व की ताकत और कमजोरियों को जानने में सहायता मिली।
- इससे हमें अपनी संस्कृति और कृषि को जानने, समझने और जुड़ने में सहायता मिली।
- हम लोगो ने यह महसूस किया कि सीखने के स्रोत सिर्फ किताबें और इंटरनेट ही नहीं है, बल्कि विभिन्न गतिविधियों के अनुभव भी सीखने के माध्यम हो सकते हैं।

छात्रों की प्रतिक्रिया और विभिन्न समितियों के प्रस्तुति के पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप-महानिदेशक, (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली, ने दीक्षारंभ के परिणामों पर अपनी संतुष्टि और प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को दीक्षारंभ में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए बधाई दी, साथ ही माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम की परिकल्पना और सफल कार्यान्वयन के लिए उनके प्रयासों की सराहना की गयी और विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के आलोक में इस फाउंडेशन कोर्स को कार्यान्वित करने वाला प्रथम कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने छात्रों के समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए उत्कृष्ट कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए माननीय कुलपति महोदय ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने ने संतोष व्यक्त किया कि दीक्षारंभ कार्यक्रम में अर्जित की गई उपलब्धियों पर प्रसन्नता छात्रों की प्रतिक्रिया में परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि यह प्रदक्षिणा का कार्यक्रम दीक्षारंभ का समापन समारोह नहीं है, अपितु, एक अंतरावस्था है जो भविष्य की ऐसी सभी गतिविधियों की एक श्रृंखला है तथा छात्रों को जीवन सीखने का पाठ पढ़ाएंगी और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि, छात्र इस विश्वविद्यालय, अपने माता-पिता तथा अपने समाज का सम्मान करें और समाज में सद्भावना के साथ इस देश को एक महान राष्ट्र बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें।

Pradakshina

The successful journey of Deeksharambh concluded with "Pradakshina"- a valedictory function on 3rd April 2023 in the gracious presence of Chief Guest Dr. R.C. Agrawal, the Hon'ble Deputy Director General (Education), ICAR, New Delhi and other dignitaries of RPCAU faculties and students. A brief presentation on learning outcomes of different activities performed during the month long Deeksharambh was made by the chairmen of different committees. Thereafter students were invited to give their feedback on the different programmes/activities of Deeksharambh and learning outcomes. The students univocally said that this programmes helps us to overcome the different fears /apprehensions like stage fear, fear of failure, how to seek and provide help to fellow students and how to communicate with seniors and teachers etc. The students expressed their opinion on following

- To connect and network with students of not only of our streams but of other streams as well.
- To know the strength and weaknesses of our personality.
- To know and connect Agriculture to our culture.
- To realize that learning sources can't be just books and the internet but also can be through experiences of different activities as well.

After having the feedback of students and different committee presentations the chief guest expressed his satisfaction and appreciation on the learning outcomes of Deeksharambh.

He congratulated the students and faculties actively involved in the Deeksharambh programme and put a lot of admiration and appreciation to the Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. P.S. Pandey for the conceptualization and successful implementation of the programme. He applauded the efforts and mentioned specially that this university is first among agricultural universities of the country which implemented this foundation course which is directly connected with NEP-2020. I am extremely happy to be the part of this excellent programme aimed at the holistic development of students.

In the last leg of programme Hon'ble Vice-Chancellor welcomed the Chief Guest and also addressed the students. The Hon'ble Vice-Chancellor expressed his satisfaction and pleasure over the achievements made in Deeksharambh programme that were amply reflected in students' feedback. He "said, "this programme of "Pradakshina" is not the concluding function of Deeksharambh but an interphase and will provide another series of such activities that will teach students a life learning lesson and their holistic all-round development. They have to respect this university, their parents, their society and be the ambassador for fostering good will in the society and making this country a great nation".

अन्य प्रमुख गतिविधियाँ

- **सुश्री अंशिका राय, 7वें सेमेस्टर की छात्रा, कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने गेट (GATE-2023) में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल की है। वर्तमान और पिछले बैच के कुल ग्यारह छात्र अच्छे स्थान के साथ मेधा सूचि में आए। यह कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को सक्षम करने का परिणाम है। श्री वेद कुमार सुधांशु और श्री योगेश साहू, 7वें सेमेस्टर बी.टेक के छात्रों को 8 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज के साथ प्रतिष्ठित संस्थान 'प्रदान' में कैंपस चयन मिला।

Ms Anshika Rai, 7th semester student of College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa has secured All India 1st Rank in GATE-2023. Many many congratulations to Ms Anshika Rai and other CAET achievers
-Ms Komal Kumari
-Mr Rohit Kumar Gupta
-Mr Saket Sinha
-Mr Aditya Kumar
-Mr Gaurav Suman
-Mr Manish Kumar
-Mr Ashish Kumar
-Mr Aman Verma
-Mr Bhanu Pratap Singh Parmar
-Mr Ravinder Kumar

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा को पेटेंट प्रदान किया गया।**
  कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा को बहु-फसल सीडर पर एक पेटेंट प्रदान किया गया है। आविष्कारक डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. अंबरीश कुमार और श्री अभिषेक के अंश हैं।
- **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के वैज्ञानिकों** ने दिनांक 21-23 मार्च, 2023 की अवधि में नास परिसर, नई दिल्ली में "ब्लेंडिंग लर्निंग इकोसिस्टम फॉर हायर एजुकेशन इन एग्रीकल्चर" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **दिनांक 22 मार्च, 2023** को बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और प्रबंधन अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में डॉ. अब्दुस सत्तार,सह प्राध्यापक, कृषि मौसम विज्ञान (जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र) ने "रेनफॉल क्लीमटोलॉजी एंड क्रॉप वाटर अवेलिबिलिटी ओवर बिहार : स्टेटस, अप्रेजल एंड एग्रीकल्चरल इम्पैक्ट्स" विषय पर एक प्रमुख व्याख्यान दिया।
- **इंजीनियर अनुपम अमिताभ, सहायक प्राध्यापक, गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा** को 16-18 मार्च, 2023 के दौरान गांधीनगर, गुजरात में आयोजित 49 वें भारतीय डेयरी उद्योग सम्मेलन में शोध लेख "ऑप्टिमाइजेशन ऑफ़ प्रोसेस वेरिएबल्स ऑफ़ कंटीन्यूअस टाइप ओहमिक हीटिंग फॉर मिल्क पाश्चुराइज़ेशन" के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार मिला।
- **दिनांक 27 मार्च 2023 को डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,रा.प्र.के.कृ.वि.,** ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्- रिसर्च कॉम्प्लेक्स फॉर ईस्टर्न रीजन, पटना द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन में कृषि जल प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "पाथ वे ऑफ़ वाटर प्रोडक्टिविटी इन ईस्टर्न रीजन ऑफ़ इंडिया यूजिंग इनोवेटिव टेक्नोलॉजी" पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।
- **डॉ. एस.एस. प्रसाद, सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान विभाग , तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** ने सी.ए.यू., इंफाल में दिनांक 17-19 मार्च 2023 के दौरान आयोजित प्राकृतिक खेती पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ प्रसाद ने तकनीकी सत्र VII में मौखिक प्रस्तुति में दूसरा स्थान भी प्राप्त किया।
- **31 मार्च, 2023 को सेवानिवृत्त निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा की गरिमापूर्ण उपस्थिति में आयोजित की गई।**

1. **डॉ. एस.पी. गुप्ता**
   प्राध्यापक, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनिकी महाविद्यालय, पूसा
2. **श्री प्रमोद कुमार चौधरी,**
   कुशल भारवाही कर्मचारी,
   कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनिकी महाविद्यालय, पूसा
3. **श्री योगेंद्र पोद्दार**
   कुशल भारवाही कर्मचारी,
   तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
4. **श्री रामबालक महतो**
   कुशल भारवाही कर्मचारी
   तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
5. **श्री राम पुकार साहनी**
   कुशल भारवाही कर्मचारी,
   कैटल फार्म

Other Major Activities

- **CAET, RPCAU secured AIR-1 in GATE 2023** Ms Anshika Rai, 7th-semester student College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa has secured All India 1st Rank in GATE-2023. A total of Eleven students from current and previous batches came under the merit list with good ranks. It's a result of enabling the academic environment of CAET. Mr. Ved Kumar Sudhanshu and Mr. Yogesh Sahu, 7th semester B.Tech students, got campus selection in one of the reputed organizations 'PRADAN' with a package of Rs 8 lpa.

Ms Anshika Rai, 7th semester student of College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa has secured All India 1st Rank in GATE-2023. Many many congratulations to Ms Anshika Rai and other CAET achievers
-Ms Komal Kumari
-Mr Rohit Kumar Gupta
-Mr Saket Sinha
-Mr Aditya Kumar
-Mr Gaurav Suman
-Mr Manish Kumar
-Mr Ashish Kumar
-Mr Aman Verma
-Mr Bhanu Pratap Singh Parmar
-Mr Ravinder Kumar

- **Patent granted to College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa** A Patent on Multi-Crop Seeder has been granted to the College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU Pusa. The inventors are Dr Subhash Chandra, Dr. Ambrish Kumar and Mr Abhishek K Ansh.
- **Scientists from RPCAU, Pusa** attended international conference on "Blending Learning Ecosystem for Higher Education in Agriculture" at NASC complex, New - Delhi during 21-23 March, 2023.
- **Dr. Abdus Sattar, Associate Professor of Agrometeorology,** Centre for Advance Studies on Climate Change delivered a lead talk on the topic "Rainfall Climatology and Crop Water Availability over Bihar: Status, Appraisal and Agricultural Impacts" in National Webinar on "Water Resource Management for Sustainable Agriculture" organized by Bihar Agricultural University, Sabour and Academy of Natural Resource Conservation and Management, Lucknow on 22 March, 2023.
- **Er. Anupam Amitabh, Asstt. Prof. SRI, Pusa** got best Paper award for the research article "Optimization of process variables of continuous type Ohmic heating for milk pasteurization" in 49th Indian Dairy Industry conference held at Gandhinagar, Gujarat during 16-18 March, 2023.
- **Dr. Ambrish Kumar, Dean, CAET, RPCAU** delivered a key note lecture on 'Pathway of water productivity in eastern region of India using innovative technology' in the National Workshop on Agricultural Water Management in Changing Climate organized by ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna on 27 March 2023.
- **Dr. S.S. Prasad, Asstt. Prof. Soil Science, TCA, Dholi** attended and presented paper in International Conference on Natural Farming held during 17-19 March 2023 at CAU, Imphal. Dr. Prasad also got 2nd position in oral presentation in Technical Session vii
- **A farewell Ceremony of the following university employees who superannuated on 31st March, 2023 was organized in the gracious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa**

1. **Dr. S. P. Gupta**
   Professor
   College of Agricultural Engineering &Technology
2. **Shri Pramod Kumar Chaudhary**
   Skilled Supporting Staff
   College of Agricultural Engineering &Technology
3. **Shri Yogendra Poddar**
   Skilled Supporting Staff
   Tirhut College of Agriculture, Dholi
4. **Shri Rambalak Mahto**
   Skilled Supporting Staff
   Tirhut College of Agriculture, Dholi
5. **Shri Ram Pukar Sahni**
   Skilled Supporting Staff
   Cattle Farm

दीक्षारंभ-2023 की झलकियाँ
Glimpses of Deeksharambh-2023

Patriotic Mime

Katthak Dance

Astawakra-Wandin Samwad Play

Yoga in Action

Regional Culture

Group Performance

Road Safety Mime

Flower Arrangement Competition